

**सुइया स्त्री.** (तद्.) सूआ, एक प्रकार की चिडिया।  
(स्त्री.) सुई।

**सुइस स्त्री.** (तद्.) सूँस, आठ-दस हाथ लंबा एक  
बड़ा जलजंतु जिसके जबड़े में तीस दाँत होते हैं।

**सुई स्त्री.** (तद्.) सूचिका, सुई।

**सुकंटका स्त्री.** (तत्.) 1. घृतकुमारी, घीकुआर 2.  
पिंड खजूर।

**सुकंठ वि.** (तत्.) 1. सुंदन कंठ वाला, सुग्रीव 2.  
जिसके गले का स्वर कोमल और मधुर हो 3.  
वानरराज सुग्रीव का एक नाम।

**सुकंद पुं.** (तत्.) 1. कसेरू 2. धूना।

**सुकंद पुं.** (तत्.) तल, धूना।

**सुकंदक पुं.** (तत्.) 1. महाभारत काल का एक  
प्राचीन देश 2. सुकंदक देश का निवासी 3.  
बाराही कंद, गेंठी 4. प्याज।

**सुकंदा स्त्री.** (तत्.) 1. लक्षणाकंद, पुत्रदा।

**सुकंदी पुं.** (तत्.) सूरन, जमीकंद जिसको शाक-  
सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है।

**सुक पुं.** (तत्.) 1. शुक, तोता 2. शुकदेव (एक ऋषि)  
3. शुक्रवार 4. देवगुरु शुक्राचार्य।

**सुकचण पुं.** (तद्.) संकोच, लज्जा, शर्म।

**सुकचना अ.क्रि.** (तद्.) सकुचना।

**सुकचाना अ.क्रि.** (तत्.) सकुचाना, झिझकना,  
संकोचन करना।

**सुकड़ना क्रि.** (तद्.) सिकुड़ना, संकुचन।

**सुकदेव पुं.** (तद्.) शुकदेव। कृष्ण द्वैपायन व्यास  
के पुत्र जो पुराणों के प्रसिद्ध ज्ञानी और वक्ता  
थे।

**सुकन पुं.** (तद्.) 1. शकुन, कोई कार्य शुरू करने  
से पहले कोई ऐसी विशिष्ट घटना जो कार्य के  
सफल या असफल होने का आभास कराती हो  
2. शकुन नामक एक पक्षी।

**सुकना अ.क्रि.** (तद्.) 1. सूखना, सूख जाना 2.  
भादों के अंत में होने वाला एक प्रकार का धान।

**सुकनासा स्त्री.** (तद्.) तोते की चोंच जैसी मुड़ी हुई  
नाक वाला या नाकवाली।

**सुकुमार वि.** (तद्.) 1. सुकुमार, कोमल, नाजुक,  
कोमल अंगों वाला, चिकना 2. एक प्रकार की  
ईख 3. सावों 4. बन चंपा 5. काव्य का एक  
गुण 6. एक दैत्य 7. एक नाग।

**सुकर वि.** (तत्.) 1. जो आसानी से किया जा  
सके, सहज साध्य सरल 2. जिसे आसानी से  
काबू किया जा सके (पशु) 3. पुं दान, परोपकार,  
सीधा घोड़ा 4. स्व-कर, अपना हाथ।

**सुकरता स्त्री.** (तत्.) 1. सुगमता, सरलता, आसानी  
2. सुन्दरता, सौन्दर्य।

**सुकरा स्त्री.** (तत्.) सीधी-साधी गाय जिसे आसानी  
से दुहा जा सके।

**सुकरात पुं.** (यूनानी) प्लेटो (अफलातून) का शिष्य  
जो एक प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक था।

**सुकरित वि.** (तद्.) 1. अच्छा, भला 2. मांगलिक।

**सुकरीहार पुं.** (देश.) एक प्रकार का हार।

**सुकर्णक पुं.** (तत्.) 1. हस्तिकंद, हाथीकंद वि.  
सुंदर कानों वाला।

**सुकर्णिका स्त्री.** (तत्.) 1. मूसाकानी 2. महाबला  
(लता वाली वनस्पतियाँ)।

**सुकर्णी स्त्री.** (तत्.) इंद्रवारुणी, इन्द्रायन।

**सुकर्म पुं.** (तत्.) 1. अच्छे कार्य, शुभ कर्म, पुण्य  
कार्य 2. देवताओं का एक गण या वर्ग।

**सुकर्मा पुं.** (तत्.) 1. देवताओं का शिल्पी जिसका  
नाम सुकर्मा था जिसे विश्वकर्मा भी कहा जाता  
है 2. शुभ, उत्तम काम करने वाला, पुण्यात्मा,  
धर्मात्मा 3. सदाचारी 4. परिश्रमी 5. सत्ताईस  
योगों में से सातवाँ योग 6. विश्वामित्र।

**सुकर्मी वि.** (तत्.) 1. अच्छा या शुभ काम करने  
वाला 2. धर्म या पुण्य कार्य करने वाला 3.  
सदाचारी, पुण्यात्मा, धर्मात्मा।